आर्थिक समृद्धि और अनमोल उपाय

अर्चना गुप्ता

हमारे वेद और पुराणों में चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष बताए गए हैं। इन सभी के लिए धन की आवश्यकता होती है। जिसके लिए प्राणी को आवश्यक कर्म करने पड़ते हैं। फलस्वरूप धन प्राप्ति होती है लेकिन कभी-कभी धन में बरकत नहीं होती। इसी धन समृद्धि के लिए प्राचीन ज्योतिष विद्या से प्राप्त कुछ अनमोल उपाय :

पारद शिवलिंग

पारद को शंभू बीज माना जाता है यानी पारद की उत्पत्ति महादेव के शरीर से उत्पन्न पदार्थ शुक्र से मानी जाती है इसीलिए शास्त्रों में पारद को साक्षात शिव का रूप माना गया है

शिव महापुराण के अनुसार–

लिंगकोटिसहस्त्रस्य यत्फलं सम्यगर्चनात्।

तत्फलं कोटिगुणितं रसलिंगार्चनाद् भवेत्।।

ब्रह्महत्या सहस्त्राणि गौहत्यायारु शतानी च।

तत्क्षणद्विलयं याान्ति रसलिंगस्य दर्शनात।।

स्पर्शनात्प्राप्यत मुक्तिरिती सत्यं शिवोदितम् ।।

इस श्लोक के अनुसार करोड़ों शिवलिंग के पूजन से जो फल प्राप्त होता है उससे भी करोड़ गुना ज्यादा फल पारद शिवलिंग की पूजा और दर्शन से प्राप्त होता। पारद शिवलिंग की स्पर्श मात्र से ही सभी पापों से मुक्ति मिल सकती है। व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। कहते हैं सौ अश्वमेघ यज्ञ करने के बराबर फल प्राप्त होता है। यह सभी तरह के लौकिक और परालौकिक सुख देने में सक्षम है। शिवलिंग का जहां पूजन होता है वहां साक्षात शंकर का वास होता है। पारद शिवलिंग घर में रखने से वास्तु दोष भी दूर हो जाते हैं। सावन के महीने में शिवलिंग की पूजा का विशेष महत्व है।

देवों के देव महादेव श्री शिव कल्याणकारी हैं। उनकी पूजा अभिषेक अनेक मनोरथों को पूर्ण करने वाली है। तरह–तरह के सभी शिवलिंग की पूजा सिद्धि दायक होती है। पर हमारे प्राचीन पुराणों में पारद शिवलिंग की पूजा को सर्वश्रेष्ठ बताया गया है। इस समूचे ब्रह्मांड में सर्वोत्तम दिव्य वस्तु के रूप में पूजित रस सिद्धि पारद शिवलिंग

समस्त दैहिक दैविक और भौतिक महादुखो की मुक्ति और शांति दिलाने वाला है।

ऐसी मान्यता है कि पारद शिवलिंग में ब्रह्मा विष्णु महेश तीनों ही देव विद्यमान रहते हैं। पारद शब्द में प– विष्णु, अ– अकार, र–शिव और द–ब्रह्मा का प्रतीक है।

पारद एक विशिष्ट तरल अवस्था में धातु और स्वयं सिद्ध पदार्थ है। अनेक जड़ी बूटियों की सहायता से विशिष्ट शास्त्रोक्त व तंत्रोक्त गोपनीय विधियों से दिव्य पारद शिवलिंग का निर्माण किया जाता है। इसके लिए अष्ट संस्कार किए जाते हैं। अष्ट–संस्कार में करीब 6 महीने इसके बाद शेष क्रियाओं को करने में दो–तीन महीने का समय लग जाता है। तब पारे से शिवलिंग बनाने का मुश्किल कार्य संपूर्ण होता है।

शास्त्रों के अनुसार रावण रस सिद्धि योगी था। पारद शिवलिंग की पूजा से शिव को प्रसन्न कर अनेक दिव्य शक्तियों को प्राप्त किया और शिव से मनोवांछित वर प्राप्त किया।

पारद शिवलिंग को घर में रखने का अनेक कारण हो सकते हैं।

लक्ष्मी की प्राप्ति के लिए

लक्ष्मी की प्राप्ति के लिए पारद शिवलिंग की विशेष तौर पर पूजा की जाती है। आर्थिक संकटों से मुक्ति के लिए किसी भी माह में प्रदोष के दिन पारद शिवलिंग की षोडशोपचार पूजा करके शिव महिमा स्त्रोत से अभिषेक करें फिर हर दिन पूजा करते रहें कुछ ही समय में आप की आर्थिक स्थिति ठीक होने लगेगी। कर्ज मुक्ति हो जाएगी। पारे से बने गणेश और लक्ष्मी की नियमित पूजा करने से भी अकूत धन संपदा प्राप्त की जा सकती है। इससे सिद्धि बुद्धि के साथ सोने की भी प्राप्ति होती है।

पद प्रतिष्ठा सम्मान प्राप्ति के लिए और रुद्राक्ष की माला

पारद के दानों के साथ रुद्राक्ष का सहयोग और भी प्रभावी हो जाता है। पारद और रुद्राक्ष के दानों की माला धारण करने से अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता। पद प्रतिष्ठा सम्मान की प्राप्ति के लिए पारद और रुद्राक्ष की माला को धारण करना चाहिए।

आत्मविश्वास की कमी हो

यदि आप में आत्मविश्वास की कमी है सार्वजनिक रूप से खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते लोग आपको दब्बू की संज्ञा देते हैं। आपको नियमित रूप से पारद शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे मस्तिष्क को उर्वरता प्राप्त होती है। वाक सिद्धि प्राप्त होती है। हजारों लोगों को अपनी वाणी से सम्मोहित करने की क्षमता आ जाती है।

पारा समस्त रोगों की दवा के रूप में भी काम करता है। खासकर डायबिटीज हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों में पारे की माला पहनने की सलाह दी जाती है। लेकिन पहले किसी अच्छे आयुर्वेदाचार्य से सलाह लेनी चाहिए।

जिस घर में पारद से बनी कोई भी सामग्री जैसे शिवलिंग, पारद माला पारद का कोई पात्र आदि मौजूद हो वहां नकारात्मक ऊर्जा नहीं रहती। परिवार में अशांति हो सदस्यों के बीच मतभेद हो लड़ाई झगड़े हो पारद के किसी पात्र में गंगाजल भरकर घर के ईशान कोण या घर के मध्य में रखें। इस जल को प्रतिदिन रात में रखें और प्रातः किसी गमले में डाल दें इसे घर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर जाकर घर में शांति हो जाती है।

यदि घर में शिवलिंग रखा हो तो निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए।

ध्यान रखें कि घर में हाथ के अंगूठे के पहले भाग से बड़ा शिवलिंग नहीं रखना चाहिए। जहां शिवलिंग रखा हो वहां साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। रोज सुबह–शाम शिवलिंग के पास दीपक जलाएं भोग लगाएं। घर में कलेश ना करें और शिव जी के मंत्र का जाप करें।

धन प्राप्ति के लिए पारद शिवलिंग की स्थापना के साथ–साथ अन्य उपाय भी किए जा सकते हैं।

पहला उपाय

सुपारी.... पूजा में गौरी गणेश के रूप में अखंड सुपारी चढ़ाते हैं। सुपारी पर लाल धागा लपेट कर अक्षत कुमकुम पुष्प आदि पूजन सामग्री से पूजा करके उस सुपारी को तिजोरी में रखें क्योंकि गणेश जी बुद्धि के स्वामी हैं जहां बुद्धि होती है वही लक्ष्मी का वास होता है।

दूसरा उपाय

कौड़ी.. शुक्रवार को पीले कपड़े में 5 कौड़ी थोड़ी सी केसर चांदी के सिक्के के साथ बांधकर तिजोरी अपने स्थान पर रखें। कौड़ी के स्थान पर हल्दी की गांठ भी रख सकते हैं। कुछ दिनों बाद इसका असर अवश्य ही दिखाई देगा ।

तीसरा उपाय

नोटों की गड्डी अथवा सिक्के .. ध्यान रहे तिजोरी को कभी खाली ना रखें। क्षमता अनुसार तिजोरी में नोटों की गड्डी अथवा तांबे/पीतल के सिक्के अवश्य रखें।

चौथा उपाय

पीपल का पत्ता... एक पीपल का पत्ता लेकर देसी घी मिश्रित लाल सिंदूर से ऊँ लिखें और तिजोरी के स्थान पर रख दें। ऐसा परिवार करने से धन संबंधी परेशानी दूर हो जाती है।

पांचवा उपाय

दक्षिणावर्ती श ं ख.... दक्षिणावर्ती शंख पूजा के स्थान में रखने से अथवा तिजोरी में रखने से मां लक्ष्मी स्वयं ही इसकी ओर आकर्षित होती है। यह बहुत ही

चमत्कारी उपाय है। सोम पुष्य योग में इसे घर में रखने से सुख–समृद्धि बनी रहती है।

छठा उपाय

भोजपत्र....अखंडित भोजपत्र पर मोर पंख से 'श्री' लिखें और तिजोरी में रख दें। कुछ ही दिनों में आर्थिक समृद्धि होने लगेगी।

सातवां उपाय

बहेड़ा की जड़ ....यह एक सुलभ फल है। महुआ जैसा होता है। रवि

पुष्य नक्षत्र में इसकी जड़ अथवा पत्ते को लाकर पूजा कर लाल वस्त्र में लपेटकर तिजोरी में रखने से आर्थिक समृद्धि होती है।

आठवां उपाय

काली गुंजा....धन संपदा के लिए पूजा स्थान अथवा धन स्थान पर लाल वस्त्र बिछाकर लक्ष्मी गणेश जी

की मूर्ति को स्थापित कर उनके आगे काली गुंजा के 11 दाने पवित्र करके रखें। धन–वृद्धि के लिए बहुत ही उपयुक्त उपाय है।

नवां उपाय

यंत्र स्थापना....ऐश्वर्या वृद्धि यंत्र/ व्यापार वृद्धि यंत्र की स्थापना करें। विधिवत पूजन करके धन स्थान में

अथवा पूजा स्थान में रखें। धन बढ़ता ही जाएगा।

दसवां उपाय

शंखपुष्पी की जड़...पुष्य नक्षत्र में शंखपुष्पी की जड़ लाकर आरती पूजा करके चांदी की डिब्बी में रखकर

तिजोरी में रखें। लक्ष्मी जी की कृपा के लिए अत्यंत ही समर्थ उपाय है। हर गुरु पुष्य नक्षत्र के दिन शंखपुष्पी की जड़ बदल लें। पहले वाली जड़ को बहते पानी में प्रवाह कर दें।

ग्यारहवां उपाय

श्रीफल.... किसी भी शुभ मुहूर्त में श्रीफल को विधिवत पूजा करके सिंदूर लौंग चढ़ाकर धूप दीप दिखाकर कपूर से आरती करके दक्षिणा अर्पित करके धन स्थान में स्थापित किया

जाए तो धन में वृद्धि होती चली जाती है।

इस प्रकार श्रद्धा पूर्वक उपाय करने से घर में सुख शांति और समृद्धि बनी रहती है। निरंतर धन में वृद्धि होती है। हमें यह उपाय आस्था के साथ करने चाहिए। इनमें वेद– पुराणों के प्राचीन रहस्य छुपे हुए हैं जो भारतीय संस्कृति की धरोहर हैं। और जिनमें लोक कल्याण निहित है।❐

पता : फ्लैट नं. : 205,
एम. पी. टावर फेज–2, आदित्यपुर,
जमशेदपुर–13, झारखंड
दूरभाष : 7004682731